



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 243]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 11, 2009/अग्रहायण 20, 1931

No. 243]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 11, 2009/AGRAHAYANA 20, 1931

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 11 दिसम्बर, 2009

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ)
(संशोधन) विनियम, 2009

फा. सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2009-10/23/186926.—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (i) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (संशोधन) विनियम, 2009 कहा जा सकेगा।
- (ii) ये विनियम, विनियम 2 के उप-विनियम (ix) के खण्ड (क) तथा (ख) के सिवाय, राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- (iii) इन विनियमों के विनियम 2 के उप-विनियम (ix) के खण्ड (क) 1 अप्रैल, 2010 को प्रवृत्त होगा।

(iv) इन विनियमों के विनियम 2 के उप-विनियम (ix) का खण्ड (ख) 1 जनवरी 2010 को प्रवृत्त होगा।

2. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 में -

(i) विनियम 2 में, उप-विनियम (1) में, -

(क) खण्ड (ट) के लिए, निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

'(ट) "संपरिवर्तनीय प्रतिभूति" (कनवर्टिबल सिक्क्यूरिटी) से वह प्रतिभूति अभिप्रेत है जो प्रतिभूति के धारक के विकल्प सहित या के बिना बाद वाली तारीख को निर्गमकर्ता के इक्विटी शेयरों में संपरिवर्तनीय या से विनियम-योग्य है और जिसमें संपरिवर्तनीय ऋण लिखत तथा संपरिवर्तनीय अधिमानी शेयर सम्मिलित हैं ; '

(ख) खण्ड (यघ) में, उप-खण्ड (X) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-खण्ड अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

"(Xi) भारत संघ की सेना, नौसेना या वायुसेना द्वारा स्थापित तथा प्रबंधित बीमा निधियाँ ; "

(ii) विनियम 10 में, उप-विनियम (1) में,

(क) खण्ड (ख) में, शब्दों "दस हजार करोड़ रुपये" के लिए, शब्द "पाँच हजार करोड़ रुपये" प्रतिस्थापित किये जायेंगे ;

(ख) खण्ड (ग) के पश्चात्, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

"परंतु यह कि उन निर्गमकर्ताओं के लिए, जिनकी सार्वजनिक शेयरधारिता इसकी निर्गमित इक्विटी पूँजी के पंद्रह प्रतिशत से कम है, इसके इक्विटी शेयरों का वार्षिक व्यापारिक व्यापारावर्त (ट्रेडिंग टर्नओवर) ऐसी छह मास की कालावधि के दौरान फ्री फ्लोट के रूप में उपलब्ध इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या का कम से कम दो प्रतिशत रहा हो। "

(ग) खण्ड (ड) में, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

"परंतु यह कि यदि निर्गमकर्ता ने निदेशक बोर्ड की संरचना के संबंध में इक्विटी सूचीबद्धता करारनामे के उपबंध का, संदर्भ तारीख से ठीक पहले के अंतिम तीन वर्षों के दौरान किसी तिमाही हेतु, अनुपालन नहीं किया है, किन्तु वह कंपनी रजिस्ट्रार या नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज, यथास्थिति, के पास प्रस्ताव दस्तावेज को दाखिल किये जाने के समय ऐसे उपबंधों का अनुपालक है, और संदर्भ तारीख से ठीक पहले के तीन वर्षों के दौरान ऐसे अननुपालनों के बारे में प्रस्ताव दस्तावेज में पर्याप्त प्रकटीकरण किये जाते हैं, तो इसे शर्त का अनुपालन समझा जायेगा ; "

- (iii) विनियम 29 में, खण्ड (क) में, शब्दों "छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशक) या छोट व्यक्तिगत शेयरधारकों" के लिए, शब्द "छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) या छोटे व्यक्तिगत शेयरधारकों या विनियम 42 के अधीन किये गये आरक्षण के लिए हकदार निर्गमकर्ता के कर्मचारियों, ऐसे मूल्य की विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के लिए आवेदन करने वाले जो एक लाख रुपये से अधिक न हो," प्रतिस्थापित किये जायेंगे ;

- (iv) विनियम 42 में,-

(क) उप-विनियम (4) में, खण्ड (क) में, शब्दों "कर्मचारियों के लिए आरक्षणों का योग निर्गम के आकार के दस प्रतिशत" के लिए, शब्द "कर्मचारियों के लिए आरक्षणों का योग निर्गमकर्ता की निर्गम के पश्चात् की पूँजी के पाँच प्रतिशत" प्रतिस्थापित किये जायेंगे ;

(ख) खण्ड (च) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

"(छ) उप-विनियम (1) या (2), यथास्थिति, के अधीन किये गये आरक्षण के अनुसरण में किसी कर्मचारी के प्रति आबंटन का मूल्य एक लाख रुपये से अधिक नहीं होगा । "

- (v) विनियम 50 में, उप-विनियम (1) में, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

"परंतु यह कि विनियम 42 के उप-विनियम (1) के खण्ड (क) या उप-विनियम (2) के खण्ड (क) के अधीन आरक्षण के अनुसरण में किसी व्यक्ति को आबंटित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का मूल्य, एक लाख रुपये से अधिक नहीं होगा । "

- (vi) विनियम 55 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

"साधिकार निर्गम के साथ कर्मचारियों के लिए आरक्षण

55क. इन विनियमों के अन्य लागू उपबंध के अध्यक्षीन, निर्गमकर्ता साधिकार निर्गम के साथ अपने कर्मचारियों के लिए आरक्षण इस शर्त के अध्यक्षीन कर सकेगा कि किसी कर्मचारी के प्रति आबंटन का मूल्य एक लाख रुपये से अधिक नहीं होगा । "

(vii) विनियम 96 में, उप-विनियम (2) में,-

(क) खण्ड (ड) में, अंक तथा चिह्न "43," का लोप हो जायेगा ;

(ख) खण्ड (झ) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

"(झक) विनियम 43, उसके उप-विनियम (3) के सिवाय ; "

(viii) विनियम 98 में, खण्ड (ड) में, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

"परंतु यह कि उक्त पचास प्रतिशत निर्गमित भारतीय निक्षेपागार रसीदों का कम से कम तीस प्रतिशत छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को आबंटित किया जायेगा और छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ता (निवेशक) संबंधी प्रवर्ग में अल्प-अभिदान के मामले में, जितना अल्प-अभिदान हुआ हो उतने तक को अन्य प्रवर्गों में पूरा करने की अनुज्ञा दी जायेगी । "

(ix) अनुसूची VIII में, भाग क में, पैरा (2) में, मद (IX) में,-

(क) शीर्षक "वित्तीय विवरण" के पश्चात्, निम्नलिखित टिप्पण अंतःस्थापित किये जायेंगे, अर्थात् :-

"टिप्पण :

1. इस मद में विनिर्दिष्ट वित्तीय जानकारी केवल उन्हीं लेखापरीक्षकों द्वारा प्रमाणित की जायेगी जो स्वयं भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान की समकक्ष पुनर्विलोकन (पीयर रिव्यू) प्रक्रिया से गुजरे हों और जो भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान के 'पीयर रिव्यू बोर्ड' द्वारा जारी विधिमान्य प्रमाणपत्र धारण करते हों ।
2. इस मद में विनिर्दिष्ट समस्त वित्तीय जानकारी की फिर से लेखापरीक्षा, एक पूरे वित्तीय वर्ष तथा स्टब कालावधि हेतु, लेखापरीक्षक द्वारा उन्हें प्रमाणित करते हुए उस मामले में अवश्य की जानी चाहिए जहाँ वित्तीय विवरणों की

लेखापरीक्षा उस लेखापरीक्षक द्वारा की गयी थी जो भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान की समकक्ष पुनर्विलोकन (पीयर रिव्यू) प्रक्रिया से नहीं गुजरा था ।]"

(ख) उप-मद (ख) में, खण्ड (21) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

"(22) यदि निर्गमकर्ता ने उस कालावधि के दौरान कोई इंतजाम की स्कीम की है जिसके लिए वित्तीय जानकारी प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट की जाती है, तो निर्गम का अग्रणी मर्चेन्ट बैंककार यह सुनिश्चित करेगा कि लेखा मानक 14 में यथा विनिर्दिष्ट निम्नलिखित प्रकटीकरण अपेक्षाओं का पालन कर लिया गया है :-

(क) इंतजाम की स्कीमों में दी हुई वित्तीय जानकारी के संबंध में जिस लेखा व्यवहार का अनुसरण किया गया उसका विवरण और व्यवहार का अनुसरण किये जाने के कारण यदि यह उनसे भिन्न हो, जो लागू लेखा मानकों में विहित किया गया है ।

(ख) विचलनों के मामले में, लेखा व्यवहार का प्रकटीकरण, अगर लागू मानक का अनुसरण किया गया होता ।

(ग) वित्त पर प्रभाव, यदि कोई हो, ऐसे विचलन के कारण उद्भूत ।"

(ग) उप-मद (ख) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-मद अंतःस्थापित की जायेगी, अर्थात् :-

"(खक) बाद वाले सार्वजनिक प्रस्तावों में निर्गमकर्ता की आनुकूलिक वित्तीय जानकारी :

(1) बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव लाने वाला निर्गमकर्ता इस उप-मद के खण्ड (2) में विनिर्दिष्ट वित्तीय जानकारी प्रकट कर सकेगा, उप-मद (ख) के अधीन विनिर्दिष्ट जानकारी के बदले, यदि :

- (i) निर्गमकर्ता विनियम 10 के उपबंधों के अनुसार बाद वाला सार्वजनिक प्रस्ताव ला रहा है ;
- (ii) बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव में प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ, उन्हीं विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के वर्ग की हैं जो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में पहले ही से सूचीबद्ध हैं ;
- (iii) निर्गमकर्ता की वित्तीय रिपोर्टें राष्ट्रव्यापी व्यापारिक टर्मिनलों वाले किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के

वेबसाइट पर या बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट सामान्य ई-फाइलिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं ;

- (iv) निर्गमकर्ता के प्रबंध मंडल में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है ;
- (v) निर्गमकर्ता की विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19 के उप-नियम (2) के खण्ड (ख) से प्रदान किये गये शिथिलीकरण के अनुसरण में सूचीबद्ध नहीं की गयी हैं ।

(2) खण्ड (1) में विनिर्दिष्ट शर्तों को पूरा करने वाला निर्गमकर्ता निम्नानुसार अपने वित्तीय विवरण प्रकट कर सकेगा :

(i) निर्गमकर्ता के एकल तथा समेकित वित्तीय विवरण :

(1) अंतिम पूर्ण लेखा वर्ष जिसके लिए लेखापरीक्षा पूर्ण की गयी है के बारे में लाभ या हानि और आस्तियों तथा दायित्वों की बाबत निर्गमकर्ता के लेखापरीक्षकों द्वारा रिपोर्ट (लेखा नीतियों में परिवर्तनों को इंगित करते हुए, यदि कोई हों) ।

(2) उस तारीख को जो निर्गम के खुलने की तारीख से पहले छह महीनों से पूर्व की न हो, को लाभ या हानि और आस्तियों तथा दायित्वों की सीमित समीक्षा के संबंध में निर्गमकर्ता के लेखापरीक्षकों द्वारा रिपोर्ट (लेखा नीतियों में परिवर्तनों को इंगित करते हुए, यदि कोई हों), जहाँ ऐसी तारीख को लेखापरीक्षित लेखे उपलब्ध न हों ।

(3) उपर्युक्त उप-खण्ड (1) तथा (2) के प्रयोजन के लिए, यह पर्याप्त होगा यदि :

(क) आस्तियों तथा दायित्वों के विवरण में, कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची VI के भाग I में किये गये उपबंध के अनुसार आस्तियों तथा दायित्वों के मुख्य शीर्ष दिये गये हैं । यदि निर्गमकर्ता कंपनी अधिनियम, 1956 से भिन्न किसी कानून द्वारा विनियमित है, तो ऐसे कानून में यथा विनिर्दिष्ट आस्तियों और दायित्वों के

मुख्य शीर्ष आस्तियों और दायित्वों के विवरण में दिये जायेंगे ।

(ख) लाभ या हानि के विवरण में, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों के पास दाखिल की जाने वाली तिमाही वित्तीय जानकारी के बारे में इक्विटी सूचीबद्धता करारनामे के खंड 41 के अनुसार आय एवं व्यय के शीर्षों के अधीन प्रकट किये जाने हेतु अपेक्षित जानकारी, उपलब्ध करा दी गयी है ।

(ii) इसके अतिरिक्त, शेयरधारकों को भेजे गये तुलनपत्र तथा लाभ-हानि लेखों की अंतिम तारीख और प्रस्ताव दस्तावेज की तारीख से पहले के पिछले महीने के अंत तक के बीच की कालावधि हेतु निम्नलिखित जानकारी दी जायेगी ।

(1) निम्नलिखित शीर्षों के अधीन निर्गमकर्ता के कार्यचालन परिणाम :

(क) (i) विक्रय / व्यापारावर्त

(ii) अन्य आय

(ख) अनुमानित सकल लाभ / हानि (मूल्यहास और करों को छोड़कर)

(ग) (i) मूल्यहास के लिए प्रावधान

(ii) करों के लिए प्रावधान

(घ) अनुमानित शुद्ध लाभ / हानि

(2) महत्वपूर्ण परिवर्तन और प्रतिबद्धताएँ, यदि कोई निर्गमकर्ता की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करती हों ।

(3) अंतिम चार सप्ताहों की सप्ताहांत कीमतें; वर्तमान बाजार कीमत; और संबंधित तारीखों के साथ कालावधि के दौरान इक्विटी शेयरों की उच्चतम एवं निम्नतम कीमतें ।

(iii) कंपनी के शेयरों / संपरिवर्तनीय लिखतों के स्टॉक बाजार भाव (अंतिम तीन वर्षों में से प्रत्येक में उच्च / निम्न कीमतें और अंतिम छह महीनों के दौरान मासिक उच्च / निम्न कीमतें) ।

(iv) लेखा और अन्य अनुपात : जिन लेखा कालावधियों हेतु वित्तीय जानकारी दी है, उनमें से प्रत्येक लेखा कालावधि के लिए निम्नलिखित लेखा अनुपात दिये जायेंगे:

- (1) आमदनी प्रति शेयर : इस अनुपात की गणना असाधारण मदों को छोड़कर की जायेगी।
- (2) शुद्ध मालियत पर प्रतिफल: इस अनुपात की गणना पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों को छोड़कर की जायेगी।
- (3) शुद्ध आस्ति मूल्य प्रति शेयर: इस अनुपात की गणना पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों को छोड़कर की जायेगी।
- (4) लेखा और अन्य अनुपात भारतीय लेखा मानकों के आधार पर तैयार किये गये वित्तीय विवरणों पर आधारित होंगे।

(v) पूँजीकरण विवरण:

- (1) निर्गम लाये जाने से पहले और पश्चात् कुल ऋण (डैट), शुद्ध मालियत, और ऋण / इक्विटी अनुपात दर्शाने वाला पूँजीकरण विवरण सम्मिलित किया जायेगा।
- (2) जिस तारीख को वित्तीय जानकारी प्रॉस्पेक्टस में प्रकट की गयी हो, उस तारीख से शेयर पूँजी में किसी परिवर्तन की दशा में, परिवर्तन के स्वरूप को स्पष्ट करता हुआ टिप्पण दिया जायेगा।
- (3) पूँजीकरण विवरण का उदाहरणस्वरूप फॉर्मेट इसके नीचे विनिर्दिष्ट है:

विवरण	30-6-1995 को निर्गम से पूर्व	निर्गम के लिए यथा समायोजित
(लाख रुपये में)		
अल्पावधि ऋण (डैट)	1870	1870
दीर्घावधि ऋण	4370	4370
शेयरधारकों की निधियाँ		
शेयर पूँजी	4000	4450
आरक्षितियाँ	14570	37520
शेयरधारकों की कुल	18570	41940

निधियाँ		
दीर्घावधि	0.24:1	0.10:1
ऋण	/	
इक्विटी		
टिप्पण : 31-3-1995 (जो वह अंतिम तारीख है जब इस दस्तावेज के पैरा..... में वित्तीय जानकारी दी गयी है) से, शेयर पूँजी प्रत्येक 3 शेयरों के लिए 1 शेयर के अनुपात में बोनस शेयरों के निर्गम द्वारा 3000 लाख रु. से बढ़कर 4000 लाख रु. तक हो गयी ।		

(VI) प्रस्ताव दस्तावेज में एक मानक वित्तीय इकाई का प्रयोग किया जायेगा । "

(X) अनुसूची XI में, भाग ग के पश्चात्, निम्नलिखित भाग अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

"भाग घ

बही निर्माण की आनुकल्पिक पद्धति

बाद वाले सार्वजनिक प्रस्तावों के मामले में, निर्गमकर्ता बही निर्माण की आनुकल्पिक पद्धति का विकल्प चुन सकेगा, जैसी इस भाग में दी गयी है, निम्नलिखित के अध्यक्षीन :

- (क) निर्गमकर्ता इस अनुसूची के भाग क, उसके खण्ड (13) तथा खण्ड (15) (क) को छोड़कर, में निर्धारित प्रक्रिया का अनुसरण करेगा ।
- (ख) निर्गमकर्ता प्रारंभिक (रैंड हैरिंग) प्रॉस्पेक्टस में निम्नतम कीमत प्रकट करेगा ।
- (ग) छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) से भिन्न विनिधानकर्ता (निवेशक) निम्नतम कीमत से अधिक किसी कीमत पर बोली लगायेंगे ।
- (घ) बोली लगाने वाला जो व्यक्ति उच्चतम कीमत पर बोली लगाता है उसे उतनी संख्या में प्रतिभूतियाँ आबंटित की जायेंगी जिसके लिए उसने बोली लगायी है और इस प्रकार फिर बोली लगाने वाले उस व्यक्ति को जिसने द्वितीय उच्चतम कीमत पर बोली लगायी हो, वगैरह-वगैरह, जब तक प्रस्ताव संबंधी समस्त विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ निःशेष न हो जायें ।
- (ङ) आबंटन छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) से भिन्न विनिधानकर्ताओं के लिए कीमत प्राथमिकता आधार पर होगा ।
- (च) छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं को आबंटन आनुपातिक रूप से किया जायेगा, इस अनुसूची में दिये गये उदाहरण के अनुसार ।

- (छ) जहाँ, हालाँकि किसी कीमत पर बोली लगायी गयी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की संख्या उपलब्ध मात्रा से अधिक हो, तो वहाँ आबंटन आनुपातिक आधार पर किया जायेगा।
- (ज) छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं को निम्नतम कीमत पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ आबंटित की जायेंगी।
- (झ) निर्गमकर्ता या तो विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की संख्या या निर्गमकर्ता की निर्गमित पूँजी के प्रतिशत के हिसाब से सीमा लगा सकेगा जिसे बोली लगाने वाले एकल व्यक्ति को आबंटित किया जा सकेगा। "

सी. बी. भावे, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/69 जैडबी/2009/असा.]

पाद टिप्पण :

1. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2009-10/15/174471 द्वारा, 26 अगस्त 2009 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 11th December, 2009

Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Amendment) Regulations, 2009

F. No. LAD-NRO/GN/2009-10/23/186926.— In exercise of the powers conferred by Section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following regulations to amend the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009, namely:-

1. (i) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Amendment) Regulations, 2009.
 (ii) These regulations except clauses (a) and (b) of sub-regulation (ix) of regulation 2 shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
 (iii) Clause (a) of sub-regulation (ix) of regulation 2 of these regulations shall come into force on 1st April, 2010.
 (iv) Clause (b) of sub-regulation (ix) of regulation 2 of these regulations shall come into force on 1st January, 2010.
2. In the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 –
 - (i) in regulation 2, in sub-regulation (1),-
 - (a) for clause (k), the following clause shall be substituted, namely:-
 ‘(k) “convertible security” means a security which is convertible into or exchangeable with equity shares of the issuer at a later date, with or without the option of the holder of the security and includes convertible debt instrument and convertible preference shares;’
 - (b) in clause (zd), after sub-clause (x), the following sub-clause shall be inserted, namely:-
 “(xi) insurance funds set up and managed by army, navy or air force of the Union of India;”
 - (ii) in regulation 10, in sub-regulation (1),
 - (a) in clause (b), for the words “ten thousand crore rupees” occurring towards the end, the words “five thousand crore rupees” shall be substituted;
 - (b) after clause (c), the following proviso shall be inserted, namely:-
 “Provided that for issuers, whose public shareholding is less than fifteen per cent. of its issued equity capital, the annualised trading turnover of its equity shares has been at least two per cent. of the weighted average

number of equity shares available as free float during such six months' period."

(c) In clause (e), the following proviso shall be inserted, namely:-

"Provided that if the issuer has not complied with the provision of the equity listing agreement relating to composition of board of directors, for any quarter during the last three years immediately preceding the reference date, but is compliant with such provisions at the time of filing of offer document with the Registrar of Companies or designated stock exchange, as the case may be, and adequate disclosures are made in the offer document about such non-compliances during the three years immediately preceding the reference date, it shall be deemed as compliance with the condition;"

(iii) in regulation 29, in clause (a), after the words "retail individual shareholders" and before the words "may be offered", the words "or employees of the issuer entitled for reservation made under regulation 42 making an application for specified securities of value not more than one lakh rupees," shall be inserted;

(iv) in regulation 42,-

(a) in sub-regulation (4), in clause (a), for the words "ten per cent. of the issue size" occurring at the end, the words "five per cent. of the post issue capital of the issuer", shall be substituted;

(b) after clause (f), the following clause shall be inserted, namely:-

"(g) value of allotment to any employee in pursuance of reservation made under sub-regulations (1) or (2), as the case may be, shall not exceed one lakh rupees."

(v) in regulation 50, in sub-regulation (1), the following proviso shall be inserted, namely:-

"Provided that value of specified securities allotted to any person in pursuance of reservation made under clause (a) of sub-regulation (1) or clause (a) of sub-regulation (2) of regulation 42, shall not exceed one lakh rupees."

(vi) after regulation 55, the following regulation shall be inserted, namely:-

"Reservation for employees alongwith rights issue.

55A. Subject to other applicable provision of these regulations the issuer may make reservation for its employees alongwith rights issue subject to the condition that value of allotment to any employee shall not exceed one lakh rupees."

(vii) in regulation 96, in sub-regulation (2),-

(a) in clause (e), figure and mark "43," shall be omitted;

(b) after clause (i), the following clause shall be inserted, namely:-

"(ia) regulation 43, except sub-regulation (3) thereof;"

(viii) in regulation 98, in clause (e), the following proviso shall be inserted, namely:-

"Provided that atleast thirty per cent. of the said fifty per cent. IDR issued shall be allocated to retail individual investors and in case of under-

subscription in retail individual investor category, spill over to the extent of under-subscription shall be permitted to other categories.”

(ix) in schedule VIII, in Part A, in para (2), in item (IX),-

(a) after the title “Financial Statements”, the following notes shall be inserted, namely:-

“[Notes:

1. *The financial informations specified in this item shall be certified by only those auditors who have subjected themselves to the peer review process of the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) and hold a valid certificate issued by the 'Peer Review Board' of the ICAI.*

2. *All financial informations specified in this item must be reaudited for one full financial year and the stub period, by the auditor certifying them in case where the financial statements were audited by an auditor who had not been subjected to peer review process of ICAI.]”*

(b) in sub-item (B), after clause (21), the following clause shall be inserted, namely:-

“(22) If the issuer has entered into any scheme of arrangement during the period for which the financials are disclosed in the offer document, lead merchant banker to the issue shall ensure that the following disclosure requirements as specified in Accounting Standard 14 has been complied with:-

(a) A description of the accounting treatment followed in respect of financials contained in the schemes of arrangement and the reasons for following the treatment if it is different from those, which has been prescribed in applicable Accounting Standards.

(b) In case of deviations, disclosure of the accounting treatment had the applicable standard been followed.

(c) Impact on the financials, if any, arising due to such deviation.”

(c) after sub-item (B), the following sub-item shall be inserted, namely:-

“(BA) **Alternate Financial Information of the issuer in further public offers:**

(1) An issuer making further public offer may disclose the financial information specified in clause (2) of this sub-item, in lieu of information specified under sub-item (B) if:

(i) the issuer is making further public offer in accordance with provisions of regulation 10;

(ii) the specified securities offered in further public offer are of the same class of those already listed on a recognised stock exchange;

(iii) financial reports of the issuer are available on the website of any recognised stock exchange having

- nationwide trading terminals or on a common e-filing platform specified by the Board;
- (iv) there has not been any change in management of the issuer;
 - (v) specified securities of issuer have not been listed pursuant to relaxation granted from clause (b) of sub-rule (2) of rule 19 of Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957.
- (2) The issuer satisfying the conditions specified in clause (1) may disclose its financial statements as under:
- (i) Stand-alone and consolidated financial statements of the issuer:
 - (1) A report by the auditors of the issuer with respect to profit or loss and assets and liabilities (indicating changes in accounting policies, if any) in respect of the last completed accounting year for which audit has been completed.
 - (2) A report by the auditors of the issuer on a limited review of the profit or loss and assets and liabilities (indicating changes in accounting policies, if any), as at a date not earlier than six months prior to the date of the opening of the issue, where audited accounts as at such date are not available.
 - (3) For the purpose of sub-clauses (1) and (2) above, it shall be sufficient if:
 - (a) In the statement of the assets and liabilities, the main heads of assets and liabilities as provided in Part I of Schedule VI of the Companies Act, 1956 have been provided. If an issuer is governed by a statute other than the Companies Act, 1956, the main heads of assets and liabilities as specified in such statute shall be provided in the statement of assets and liabilities.
 - (b) In the statement of profit or loss, the information required to be disclosed under the heads of income and expenditure as per clause 41 of the equity listing agreement in respect of quarterly financial information to be filed with the recognised stock exchanges, has been provided.
 - (ii) In addition, the following information for the period between the last date of the balance sheet and profit and loss account sent to the shareholders and up to

the end of the last but one month preceding the date of the offer document shall be furnished.

- (1) Working results of the issuer under following heads:
 - (a) (i) Sales / turnover
 - (ii) Other income
 - (b) Estimated gross profit / loss (excluding depreciation and taxes)
 - (c) (i) Provision for depreciation
 - (ii) Provision for taxes
 - (d) Estimated net profit / loss
- (2) Material changes and commitments, if any affecting financial position of the issuer.
- (3) Week-end prices for the last four weeks; current market price; and highest and lowest prices of equity shares during the period with the relative dates.
- (iii) Stock market quotation of shares/ convertible instruments of the company (high/ low price in each of the last three years and monthly high/low price during the last six months).
- (iv) Accounting and other ratios: The following accounting ratios shall be given for each of the accounting periods for which financial information is given:
 - (1) Earnings per share: This ratio shall be calculated after excluding extra ordinary items.
 - (2) Return on Networth: This ratio shall be calculated excluding revaluation reserves.
 - (3) Net Asset Value per share: This ratio shall be calculated excluding revaluation reserves.
 - (4) Accounting and other ratios shall be based on the financial statements prepared on the basis of Indian Accounting Standards.
- (v) Capitalisation Statement:
 - (1) A Capitalisation Statement showing total debt, net worth, and the debt/ equity ratios before and after the issue is made shall be incorporated.
 - (2) In case of any change in the share capital since the date as of which the financial information has been disclosed in the prospectus, a note explaining the nature of the change shall be given.
 - (3) An illustrative format of the Capitalisation Statement is specified hereunder:

4539 GI/09-5

Particulars	Pre-issue as at 30-6-1995	As Adjusted for issue
(Rupees in lakhs)		
Short-Term Debt	1870	1870
Long Term Debt	4370	4370
Shareholder's Funds		
Share Capital	4000	4450
Reserves	14570	37520
Total Shareholder's Funds	18570	41940
Long Term Debt/Equity	0.24:1	0.10:1
Note: Since 31-3-1995 (which is the last date as of which financial information has been given in para ... of this document), share capital was increased from Rs.3000 lacs to Rs.4000 lacs by the issue of bonus shares in the ratio of 1 share for every 3 shares.		

(vi) One standard financial unit shall be used in the offer document."

(x) In schedule XI,-

- (a) In Part A, in para (10), in the title, the bracket and the words "(not applicable in case of an IDR issue)" shall be omitted;
- (b) after Part C, the following part shall be inserted, namely:-

"PART D

Alternate method of book building

In case of further public offers, the issuer may opt for an alternate method of book building, as given in this part subject to the following:

- (a) Issuer shall follow the procedure laid down in Part A of this Schedule except clause (13) and clause (15) (a) thereof.
- (b) The issuer shall disclose a floor price in the red herring prospectus.
- (c) Investors other than retail individual investors shall bid at any price above the floor price.
- (d) The bidder who bids at the highest price shall be allotted the number of securities that he has bided for and then the bidder who has bided at the second highest price and so on, until all the specified securities on offer are exhausted.

- (e) Allotment shall be on price priority basis for investors other than retail individual investors.
- (f) Allotment to retail individual investors shall be made proportionately as illustrated in this Schedule.
- (g) Where, however the number of specified securities bided for at a price is more than available quantity, then allotment shall be done on proportionate basis.
- (h) Retail individual investors shall be allotted specified securities at the floor price.
- (i) The issuer may place a cap either in terms of number of specified securities or percentage of issued capital of the issuer that may be allotted to a single bidder."

LAD-

C. B. BHAVE, Chairman

[ADVT III/4/69 ZB/2009/Exty.]

Footnote:

[ADVT III/4/69 ZB/2009/Exty.]

1. The SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 were published in the Gazette of India on 26th August, 2009 vide No. LAD-NRO/GN/2009-10/15/174471.
